नीटें सप्लाई नहीं की हैं और यदि हां तो इसके क्या कारण हैं और ये कब तक सप्लाई की जायेंगी ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कार्तिया मुण्डा) : (क) इस समय लोहे तथा इस्पात की किसी श्रेणी पर कोई कानूनी नियंत्रण नहीं है तथापि लोहा तथा इस्पात नियंत्रक द्वारा इस्पात सामग्री की सप्लाई के लिए बनाये गये अंतिम कार्यक्रम के अनुसार गुजरात लघु उद्योग निगम को वर्ष 1978–79 में 82,383 टन इस्पात दिया जाना था । इसमें से अप्रैल, 1978 से फरवरी, 1979 की अवधि में उत्पादकों ने लगभग 28,284 टन इस्पात सप्लाई किया है तथा 1 मार्च, 1979 को निगम के पास लगभग 3964 टन इस्पात की सप्लाई की पेशकश तथा प्रेषण आदेश पड़े हुए थे ।

(ख) तथा (ग). सरकार लघु उद्योग निगमों को इस्पात की सप्लाई उच्च प्राथमिकता के आधार पर करती है । पिछले कुछ समय से इस्पात की कुछ श्रेणियों की कमी हो गई है तथा इसका प्रभाव देश के विभिन्न भागों, जिन में गुजरात भी शामिल है, में महसूस किया जा रहा है । लोहा तथा इस्पात नियंत्रक द्वारा लघु उद्योग निगमों के लिये बनाए गए कार्यक्रम को पूरा करने के लिए उत्पादक हर संभव प्रयास कर रहे हैं । पता चला है कि जहां तक गुजरात लघु उद्योग निगम का सम्बन्ध है, उस निगम में अक्तूबर, 1978 से नवम्बर, 1978 तक श्रमिक हड़ताल के कारण माल उठाने के काम में बाधा आई थी ।

Provision of Radio Sets in Adivasi Areas

5904. SHRI AMARSINH V. RATHAWA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government are considering to provide free or on concessional rate Radio sets in Adivasis areas of the country to educate the people there;

(b) if so, the details thereof;

(c) the amount earmarked for the purpose from the Sixth Plan period; and

(d) if not, whether Government will consider to introduce this scheme?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (d). The Community Listening Scheme is operated by the State Governments, except in the case of Jammu & Kashmir and it is for the State Governments to consider proposals for provision of free/subsidised radio sets under the said scheme in Adivasi areas in the respective States.

Production of Special Quality Steel for Gas Cylinders

5905. SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Bokaro Steel Plant is now fully geared to produce special quality of steel for lowpressure gas-cylinders hitherto being imported;

(b) if it is a fact that the shortage of this quality steel (as mentioned above) has been causing large scale burning of petroleum gas as waste in Haldia and Barauni Oil Refineries; and

(c) whether Bokaro which has already produced LPG Steel can now meet requirements of the Indian Oil Corporation in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI KARIA MUNDA): (a) Yes, Sir.

(b) There has been no burning of gas as waste either in the Haldia Refinery or in the Barauni Refinery. If at any time LPG is not produced, the gas is utilised as fuel in the refinery furnace, or, to the extent possible, it is incorporated in the Motor gasoline and naphtha.

(c) The production of Hot Rolled Sheets and TISCO grade in Bokaro Steel Plant and TISCO during 1978-79 has not been sufficient to meet the demand indicated by fabricators of all